Ali and the Camel

अली और ऊंट

Fay Lynn
फेय लिन

Once upon a time there was a boy named Ali. He lived in the Arabian Desert. When Ali was seven years old, he was left to care for his family's sheep and goats.

एक बार की बात है अली नाम का एक लड़का था. वो अरब के रेगिस्तान में रहता था. जब अली सात साल का था, तब उसे अपने परिवार की भेड़ों और बकरियों की देखभाल का काम सौंपा गया था.

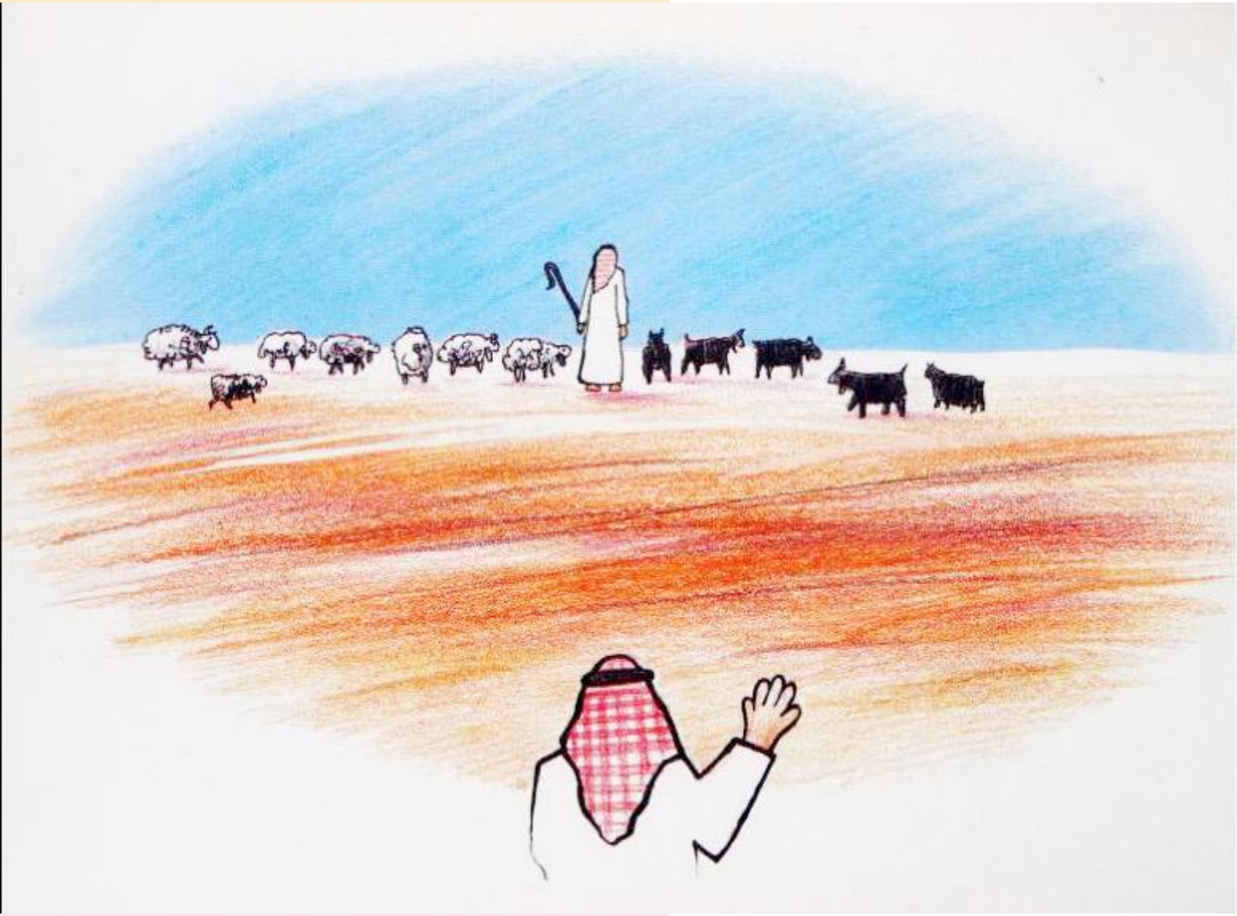

One day Ali's father took seven sheep and five goats to the market. He wanted to sell the sheep and goats to buy material. Ali's mother and aunts use the material to make clothes for the family. Ali's father asked his son to pray for a safe journey.

एक दिन अली के पिता सात भेड़ों और पांच बकरियों को बाजार में लेकर गए. वो अन्य सामान खरीदने के लिए इन भेड़-बकरियों को बेचना चाहते थे. अली की मां और मौसी ने, परिवार के लिए कपड़े बनाने के लिए उस सामान का उपयोग किया. अली के पिता ने अपने बेटे से उनकी सुरक्षित यात्रा के लिए प्रार्थना करने को कहा.

When Ali was taking care of his family's sheep and goats, a big sandstorm SWIRLED across the desert. The wind blew the sand all around.

जब अली अपने परिवार की भेड़ों और बकरियों की देखभाल कर रहा था, तब रेगिस्तान में एक बड़ा रेतीला तूफान आया. हवा ने चारों ओर रेत उड़ाई.

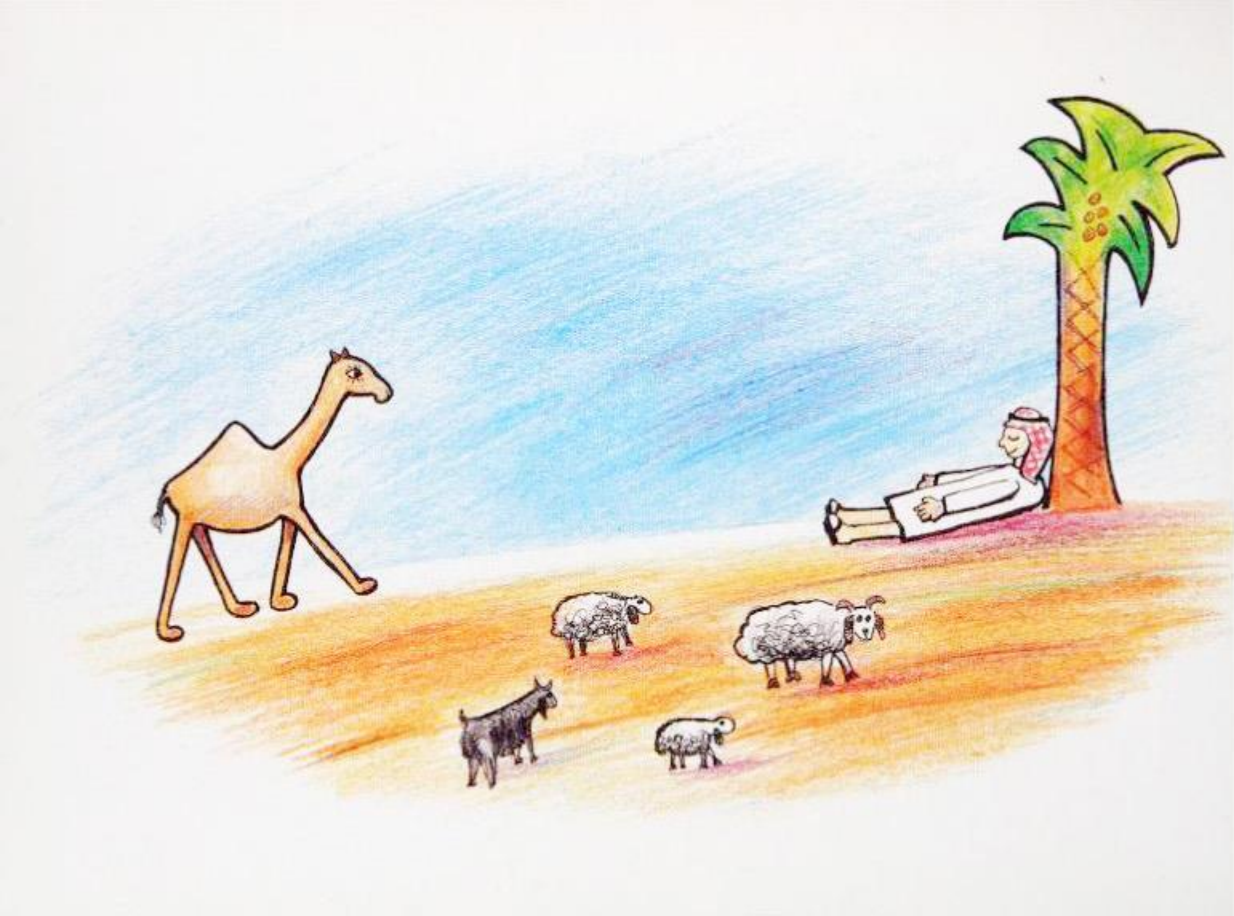

During the sandstorm Ali took cover behind a date tree. He lay down and closed his eyes. Suddenly a camel appeared before him!

रेतीले तूफ़ान के दौरान अली एक खजूर के पेड़ के पीछे छिप गया. वो वहां लेट गया और उसने अपनी आँखें बंद कर लीं. अचानक एक ऊंट उसके सामने आया!

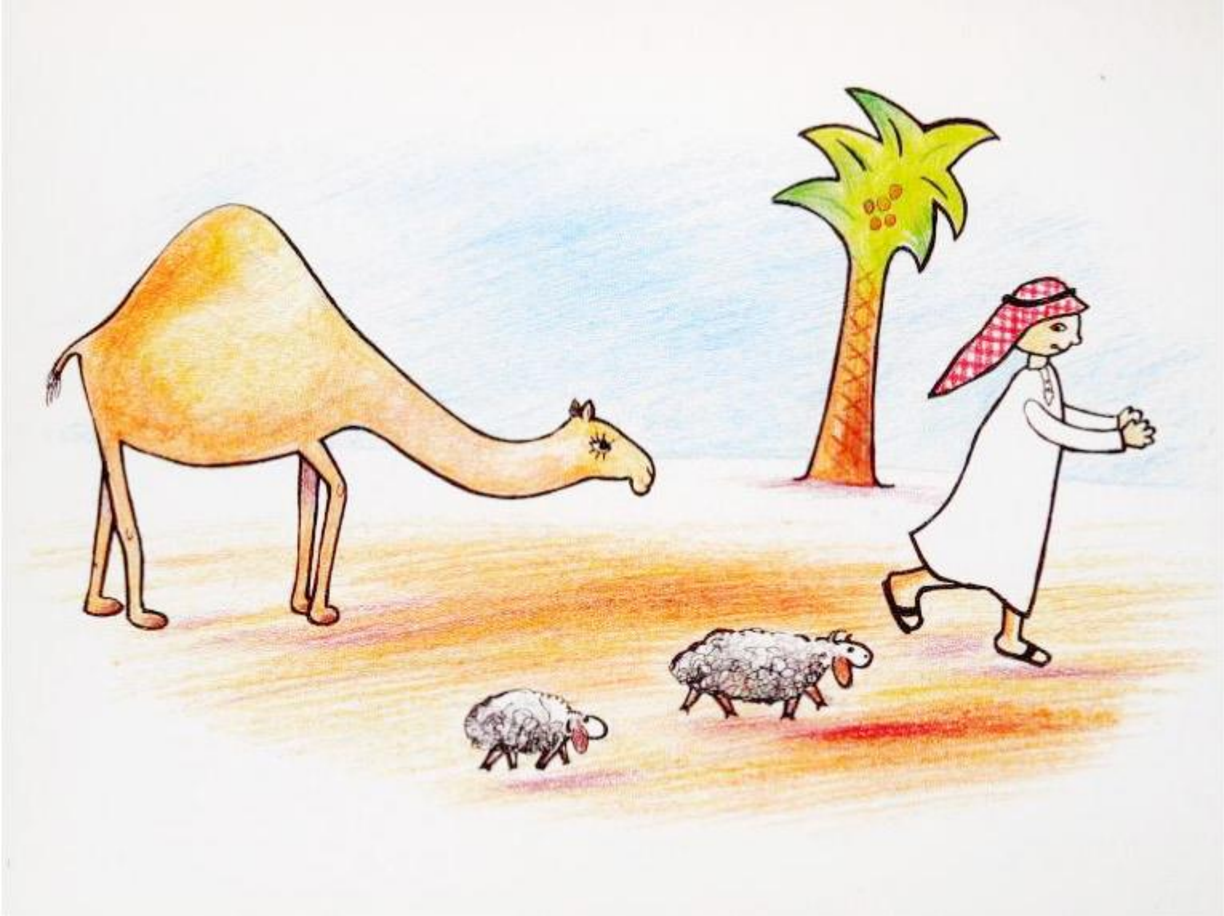

The camel scared Ali. Ali jumped up and ran away. Camel saw Ali running away from him and started crying.

ऊंट देखकर अली डर गया. अली उछलकर भागने लगा. जब ऊंट ने अली को खुद से दूर भागते देखा तो वो रोने लगा.

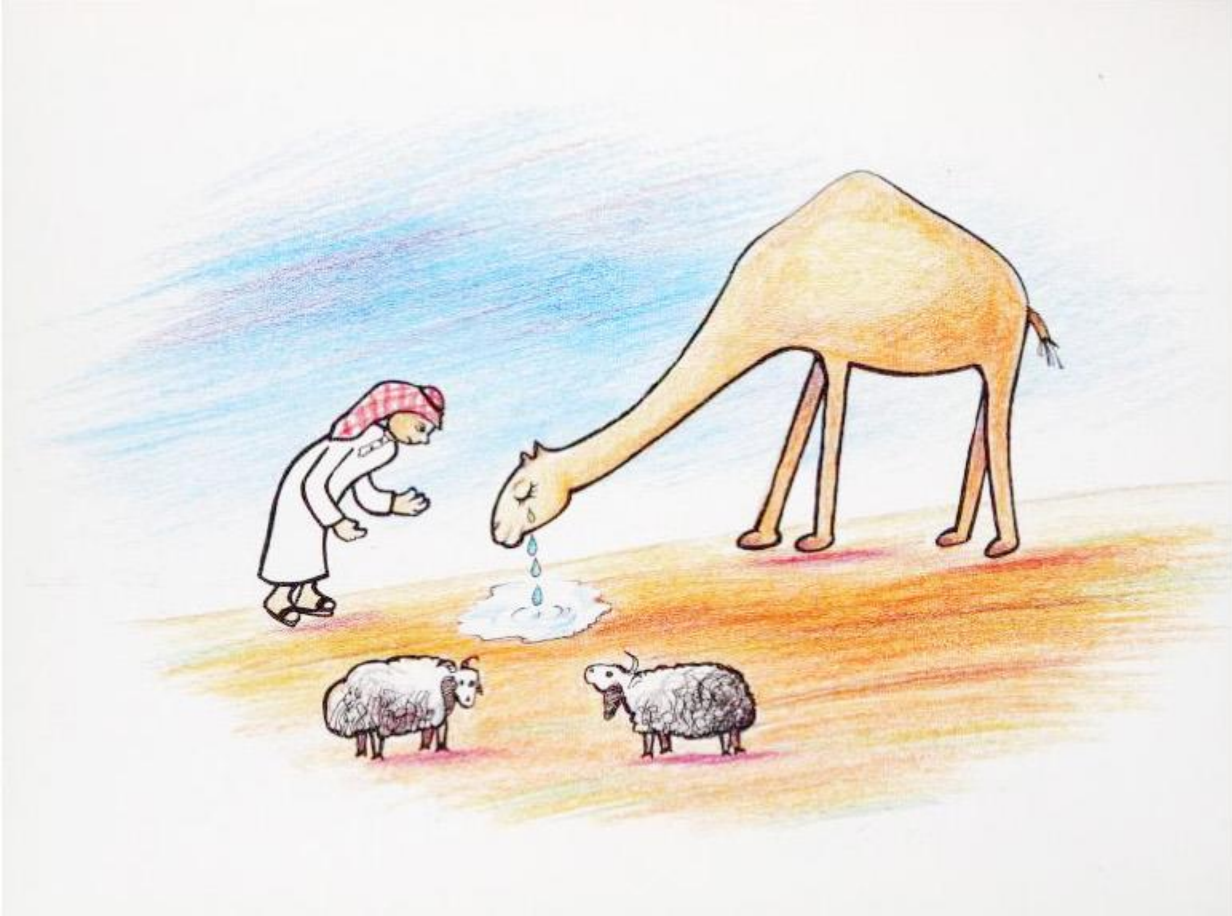

Ali heard Camel crying. He stopped and turned around. "Why are you crying, Camel?" asked Ali. "Nobody likes me," cried Camel.

अली ने ऊंट को रोते हुए सुना. वो रुका और पलटकर उसके पास गया. "तुम क्यों रो रहे हो, ऊंट?" अली ने पूछा. "मुझे कोई नहीं चाहता है," ऊंट रोया.

"Oh, Camel, please stop crying," said Ali. "We do like you. You are helpful. My family could not survive in the desert without you."

"Really?" said Camel.

"Yes," said Ali. "We use your hair to make houses, blankets and clothes."

"ओह, ऊंट, कृपया रोना बंद करो," अली ने कहा. "हम तुम्हें बहुत चाहते हैं. तुम बड़े मददगार हो. तुम्हारे बिना मेरा परिवार रेगिस्तान में रह ही नहीं सकता था."

"सच में?" ऊंट ने कहा.

"हाँ," अली ने कहा. "हम तुम्हारे बालों का उपयोग घर, कंबल और कपड़े बनाने के लिए करते हैं."

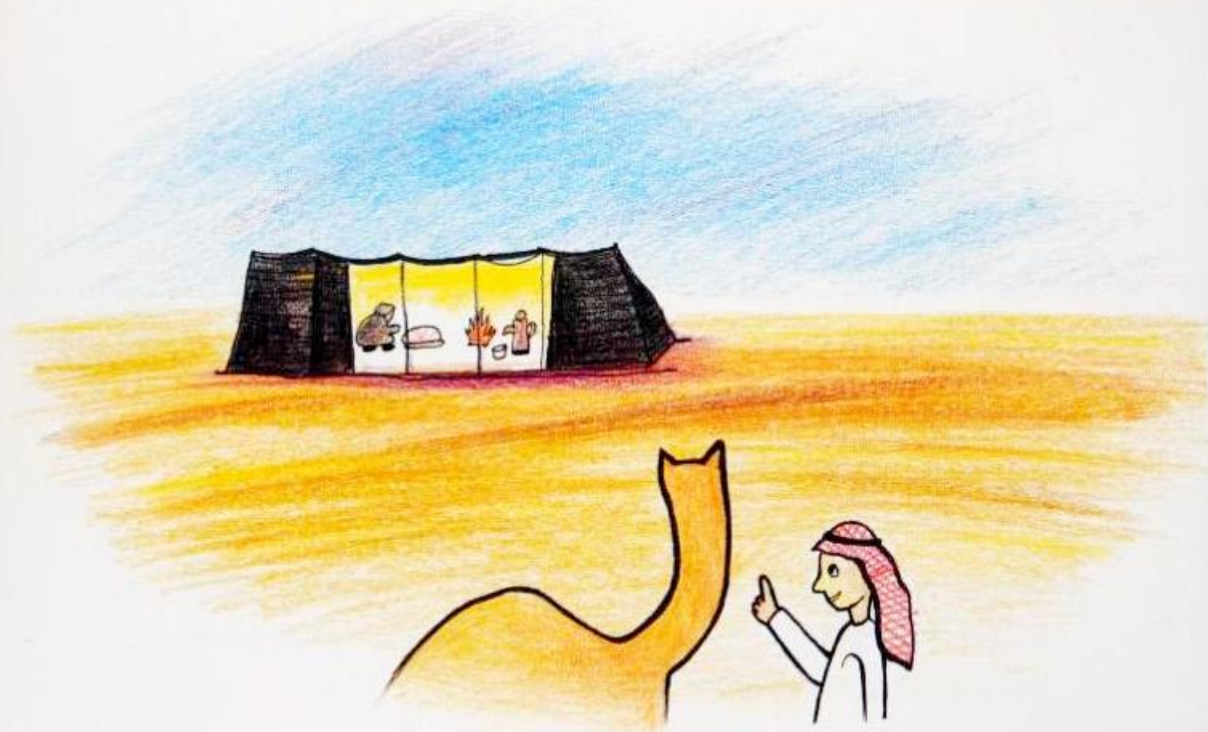

"We use your dung for our fires. Without fire we could not make coffee or keep our babies warm during the winter," Ali told Camel.

"Wow!" said Camel happily.

"हम तुम्हारे गोबर का इस्तेमाल आग जलाने के लिए करते हैं. आग के बिना हम कॉफी नहीं बना सकते और न ही सर्दियों में अपने बच्चों को गर्म रख सकते हैं."

"बहुत खूब!" ऊंट ने खुशी से कहा.

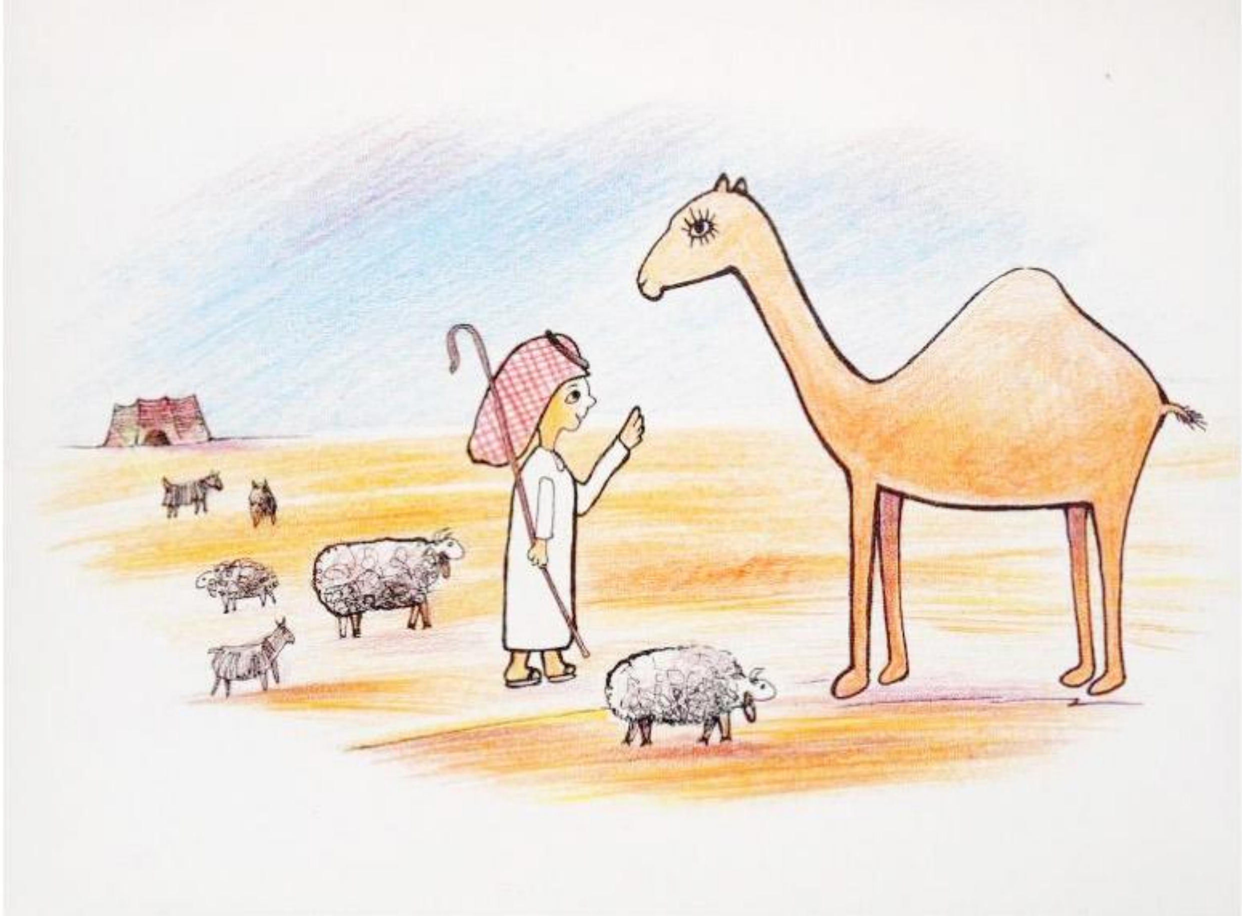

"You are very helpful to us, Camel. But tell me, why do you have two sets of eyelashes?" asked Ali.

Camel was beginning to feel much better. He answered, "I have two sets of eyelashes to keep the sand and dust out of my eyes. Then, I can carry people across the desert during sandstorms."

"तुम हमारे लिए बहुत मददगार हो, ऊंट. लेकिन मुझे बताओ, तुम्हारी दो सेट पलकें क्यों हैं?" अली ने पूछा.

ऊंट अब बहुत अच्छा महसूस कर रहा था. उसने उत्तर दिया, "आंखों से बालू और धूल को दूर रखने के लिए ही मेरी पलकों के दो सेट हैं. उनके कारण ही मैं रेत के तूफान के दौरान, लोगों को रेगिस्तान के पार ले जा सकता हूं."

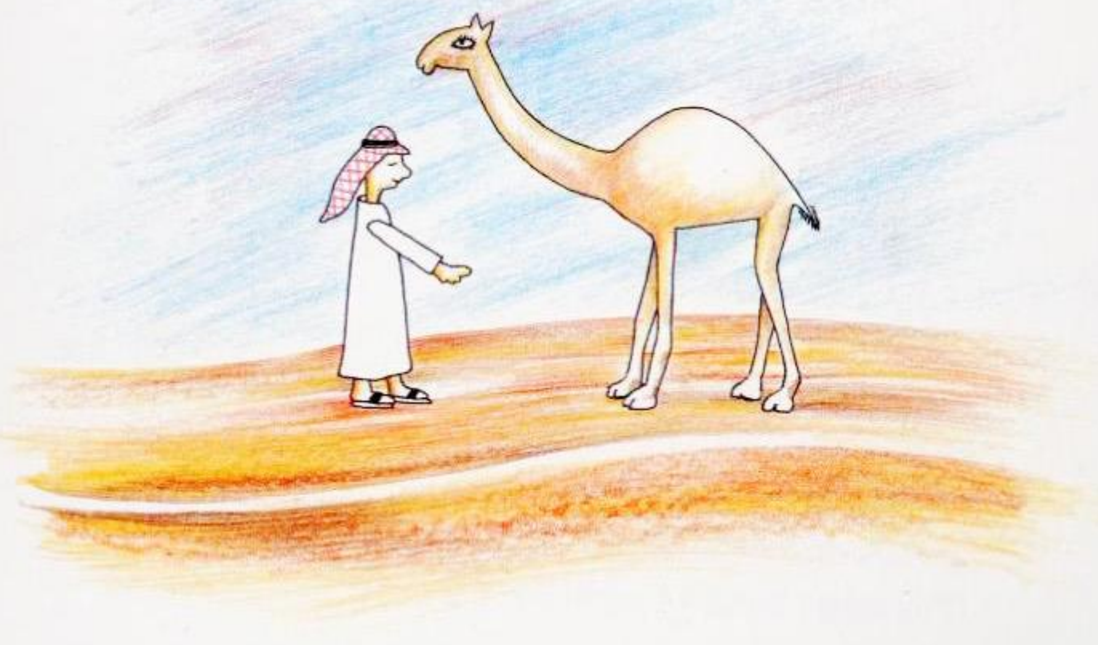

"Why are your feet so big, Camel?" asked Ali. "I have big feet so that I won't sink into the soft sand. My feet are also padded to protect me from the hot ground," explained Camel.

"तुम्हारे पैर इतने बड़े क्यों हैं, ऊंट?" अली ने पूछा. "मेरे पैर बड़े इसलिए हैं ताकि मैं नरम रेत में डूब न जाऊं. मेरे पैरों को तापती रेट से बचाने के लिए उनपर सुरक्षित पैडिंग लगी है," ऊंट ने समझाया.

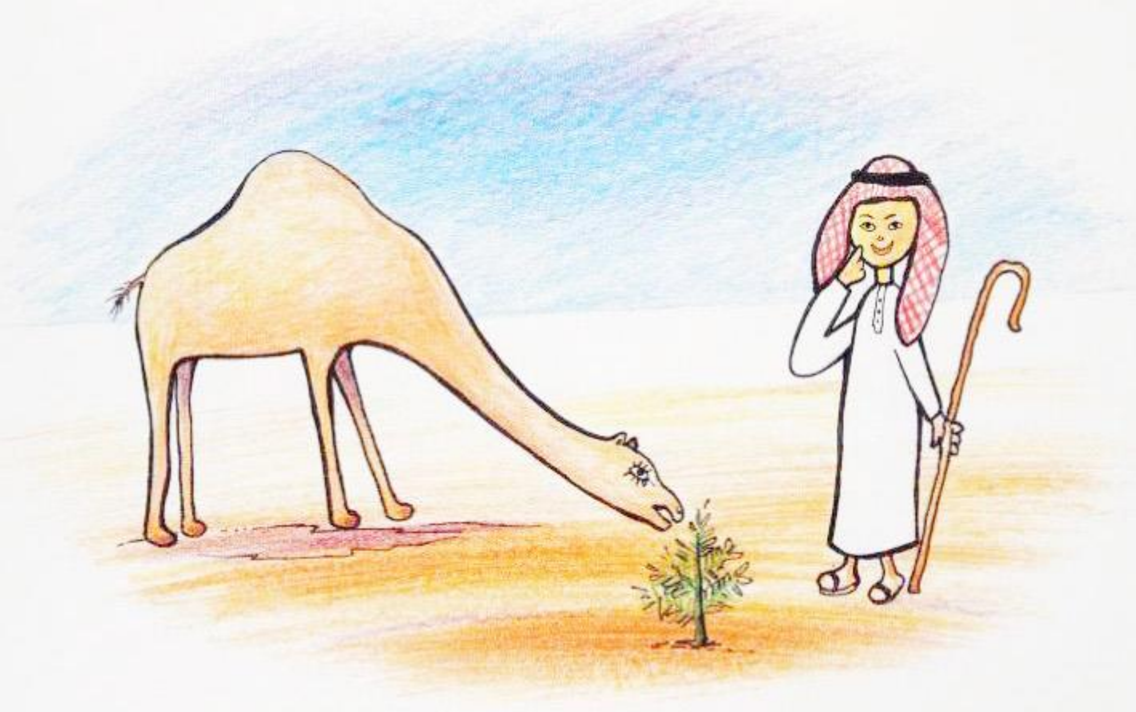

"Why are your lips so thick?" asked Ali.

"Watch me eat," said Camel proudly. "My lips are thick so I can eat sharp, thorny shrubs that grow in the desert. Can you eat thorns, Ali?"

"Oh, no," said Ali. "My lips are not thick like yours. They would bleed if I ate thorns."

"तुम्हारे होंठ इतने मोटे क्यों हैं?" अली ने पूछा.

"ज़रा तुम मुझे खाते हुए देखो," ऊंट ने गर्व से कहा. "मेरे होंठ मोटे इसलिए हैं जिससे मैं रेगिस्तान में उगने वाली तेज, कांटेदार झाड़ियाँ भी खा सकूं. क्या तुम कांटे खा सकते हो, अली?"

"बिल्कुल नहीं," अली ने कहा. "मेरे होंठ तुम्हारी तरह मोटे नहीं हैं. अगर मैं काँटे खाऊँगा तो फिर उनमें से खून निकल आएगा."

"Camel, what is that on your back?" asked Ali. "I have always wondered why you have such a big hump."

"My hump is a special place for me to keep food," said Camel smiling. "Fat from my hump gives me energy to travel on long trips across the desert. When there is little to eat, I can go many days without eating.“

"ऊंट, तुम्हारी पीठ इतनी ऊंची क्यों है?" अली ने पूछा. "मैंने हमेशा अचरज किया है कि तुम्हारी पीठ पर इतना बड़ा कूबड़ क्यों है."

"मेरा कूबड़ मेरे लिए भोजन रखने का एक विशेष स्थान है," ऊंट ने मुस्कुराते हुए कहा. "मेरे कूबड़ की चर्बी मुझे रेगिस्तान में लंबी यात्राओं में ऊर्जा देती है. जब खाने के लिए बहुत कम होता है, तो भी मैं कई दिनों तक बिना खाए ज़िंदा रह सकता हूं."

"You are a wonderful animal, Camel. I love you because you help us in so many ways," said Ali.

"Well, thank you very much. Can you please tell me more about how helpful I am?" begged Camel.

"Sure, Camel. You carry us across the desert. You also give us your hair which we make into cloth.“

अली ने कहा, "तुम एक अद्भुत जानवर हो, ऊंट. मैं तुमसे प्यार करता हूं क्योंकि तुम हमारी कई तरह से मदद करते हो."

"ठीक है, तुम्हारा बहुत-बहुत धन्यवाद. क्या तुम मुझे बता सकते हो कि मैं तुम्हारी और किस तरह से मदद करता हूं?" ऊंट ने भीख मांगी.

"बेशक, ऊंट. तुम हमें रेगिस्तान के पार ले जाते हो. तुम हमें अपने बाल भी देते हो, जिनसे हम कपड़ा बनाते हैं."

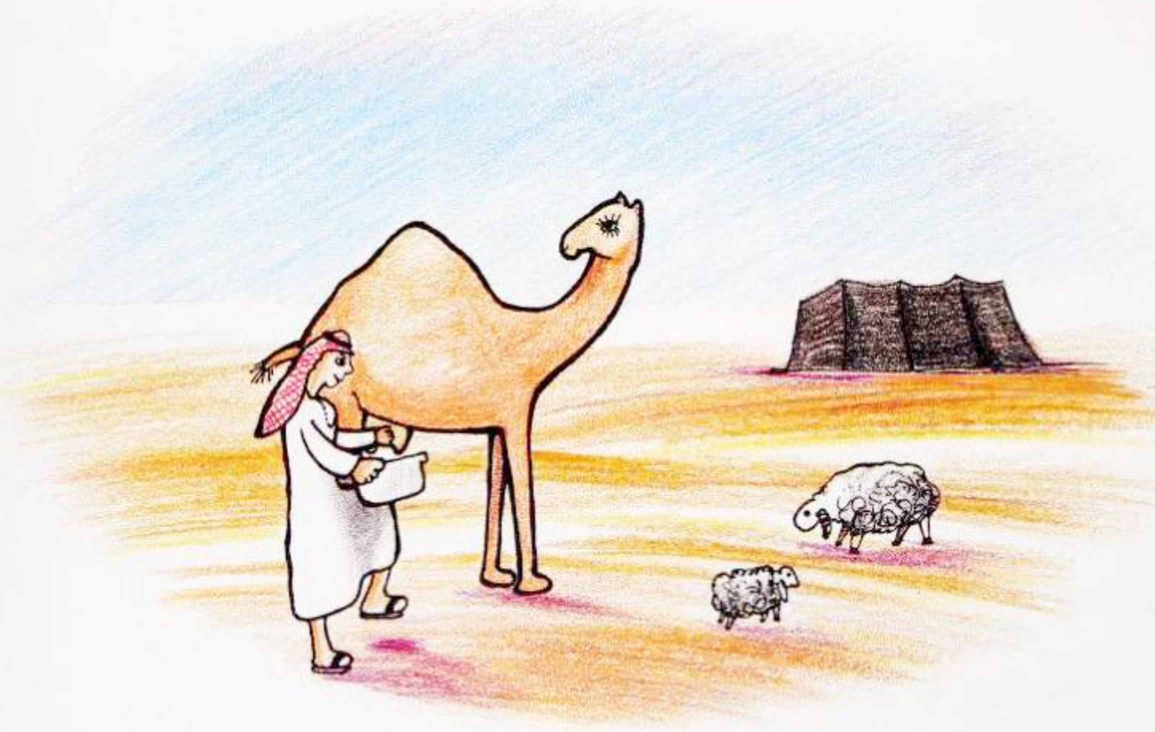

"You give us your white, delicious milk to drink. You sometimes give us meat too," said Ali.

"YOU EAT CAMEL MEAT! Boo hoo, boo hoo hoo. No wonder I have not seen my camel friends in such a long time! Boo hoo, boo hoo," cried Camel.

"Oh, Camel, please stop crying," begged Ali.

अली ने कहा, "तुम्हें हमें अपना सफेद, स्वादिष्ट दूध पीने को देते हो. कभी-कभी तुम हमें मांस भी देते हो."

"अच्छा, तो तुम ऊंट का मांस खाते हो! अरे बाप रे बाप! कोई आश्चर्य नहीं कि मैंने अपने कुछ ऊंट दोस्तों को इतने लंबे समय में नहीं देखा है!" ऊंट रोया.

"ओह, ऊंट, कृपया रोना बंद करो," अली ने भीख मांगी.

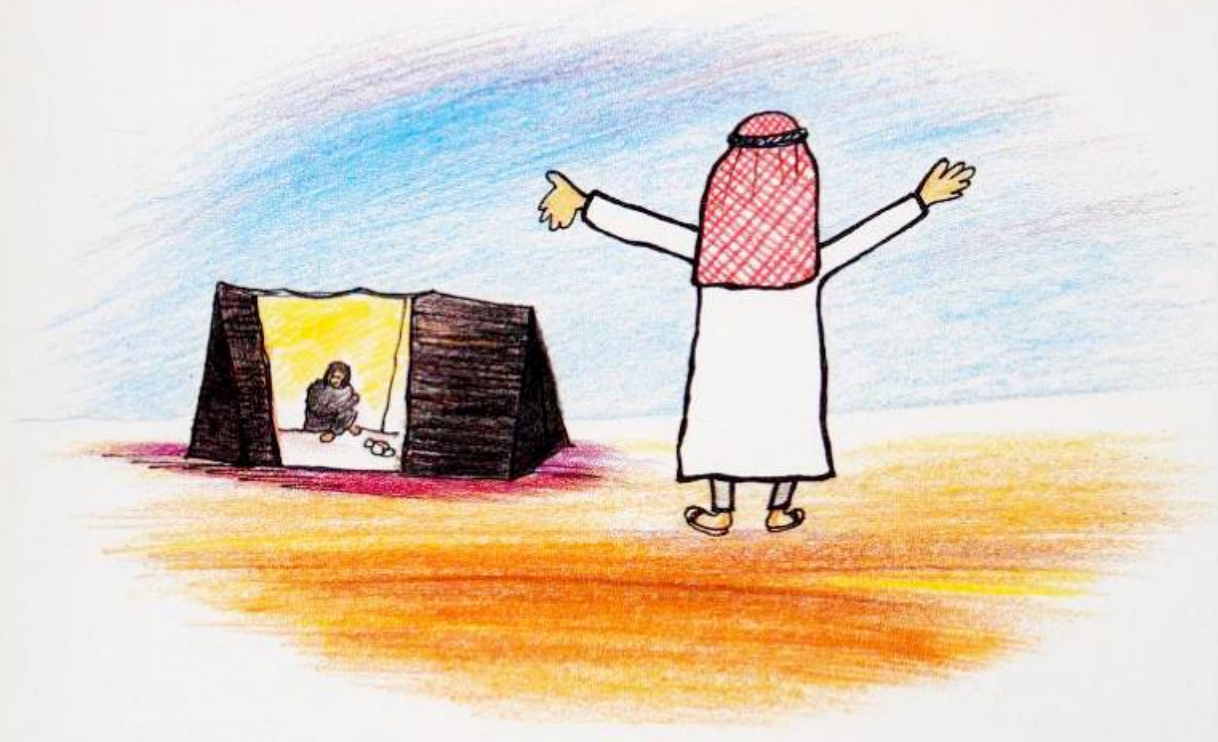

Just then Ali woke up. "Camel? Camel? Where are you, Camel?" called Ali.

Ali got up and looked around, but Camel was gone. "He must have been a dream," thought Ali sadly.

After Ali fed the sheep and goats, he ran home and told his mother all about his day in the desert with Camel.

तभी अली नींद से जाग उठा. "ऊंट? ऊंट? तुम कहाँ हो, ऊंट?" अली ने पुकारा.

अली ने उठकर इधर-उधर देखा, लेकिन ऊंट जा चुका था. "वो ज़रूर कोई सपना होगा," अली ने उदास होकर सोचा.

अली अपनी भेड़-बकरियों को चराने के बाद, घर भागा और उसने अपनी माँ को ऊंट के साथ रेगिस्तान में बिताए अपने दिन के बारे में बताया.

*****